सांध्य दैनिक

4PM

एक महान आदमी एक प्रतिष्ठित आदमी से इस तरह से अलग होता है कि वह समाज का नौकर बनने को तैयार होता है।
–बी.आर. अम्बेडकर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 28 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 28 फरवरी, 2022

राजनीति की गंदगी होगी झाड़ू से... 2 | यूपी चुनाव : अब मायानगरी के... 3 | प्रदेश का विकास देख निराश हो... 7

छठवें चरण के चुनाव में निकलेगी भाजपा की भाप : अखिलेश

सब कुछ बेच रही भाजपा सरकार, बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी

» किसानों की आय नहीं हुई दोगुनी, शिक्षामित्रों की करेंगे मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। छठवें चरण के चुनाव से पूर्व अंबेडकरनगर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि पांचवें चरण में भाजपा का पता नहीं लगा है और अब छठवें चरण के चुनाव में उसकी भाप निकल जाएगी। भाजपा का पूरी तरह सफाया हो जाएगा। इस बार अंबेडकरनगर की सभी सीटें सपा को मिलेंगी। जनता के समर्थन के सामने कोई टिकने वाला नहीं है। जो गर्मी निकालने की बात कर रहे थे उनके नेता ठंडे पड़ गए हैं। सड़क पर भी भाजपा का झंडा नहीं दिख रहा है। इस बार भाजपा के बूथ पर भूत नजर आएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता को धोखा दिया। वे मिसकॉल कर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनाते हैं लेकिन उनसे बड़ा झूठ कोई नहीं बोलता। इनका जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोलता है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन क्या किसी किसान की आय दोगुनी हुई? किसानों को खाद नहीं मिली। जिन्हें मिली भी उसमें से पांच किलो की चोरी हो गयी। यदि ये दोबारा सरकार में आ गए तो दस किलो की चोरी करेंगे। भाजपा ने कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज पर चलेगा लेकिन सत्ता में आते ही इन्होंने हवाई जहाज बेच दिए। हवाई अड्डे बेच दिए। रेलवे बेच दी। रेलवे की कीमती जमीनें बेच रहे हैं। जब सब बिक जाएगा तो नौकरी और रोजगार कौन देगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनेगी तो बीएड टेट के लोगों को समायोजित करने का काम किया जाएगा। 11 लाख सरकारी नौकरियां खाली हैं। सब पर भर्ती करेंगे। शिक्षामित्रों की भी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि हम भी बाबा मुख्यमंत्री के घर पर नजर रख रहे हैं। उनके यहां से धुंआ निकल रहा है। वहां धुएं के जो धब्बे लगे हैं उनको मिटाया जा रहा है। उन्होंने गोरखपुर की टिकट कटा ली है। गौरतलब है कि तीन मार्च को छठवें चरण का मतदान है।

पुरानी पेंशन करेंगे बहाल, देंगे फ्री बिजली

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने फिर दोहराया कि सपा सरकार बनी तो सभी को तीन सौ यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। किसानों की सिंचाई माफ होगी। बुनकरों को फ्लैट रेट पर बिजली देंगे। उनकी आर्थिक मदद भी करेंगे। गन्ने का भुगतान अलग से बजट रखकर 15 दिन के अंदर कराएंगे। पुरानी पेंशन बहाल करेंगे।

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर वरुण गांधी ने अपनी सरकार को घेरा, कहा

हर आपदा में नहीं खोजना चाहिए अवसर

» सही समय पर फैसला नहीं लेने के कारण हुई समस्या

» सुरक्षित वापसी सरकार का है दायित्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर अपनी सरकार पर निशाना साधा है। युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर वरुण गांधी ने कहा कि सही समय से फैसला नहीं लेने के कारण बड़ी संख्या में भारतीय छात्र यूक्रेन में फंसे हैं। वरुण गांधी ने यूक्रेन में फंसी एक भारतीय छात्र का वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, सही समय पर सही फैसले न लिए जाने के कारण 15 हजार से अधिक छात्र भारी अव्यवस्था के बीच अभी भी युद्धभूमि में फंसे हुए हैं। ठोस रणनीतिक और कूटनीतिक कार्यवाही कर इनकी सुरक्षित वापसी इन पर कोई उपकार नहीं बल्कि हमारा दायित्व है। हर आपदा में 'अवसर' नहीं खोजना चाहिए। वीडियो में छात्रा भारतीय दूतावास के एक अधिकारी की शिकायत करती नजर आ रही है। छात्रा इस वीडियो में कह रही है कि दुनियाभर की सरकारें अपने स्टूडेंट्स को निकाल रही हैं, लेकिन भारत सरकार कुछ नहीं कर रही है। सरकार कोई मदद नहीं कर रही है।

लखनऊ के 60 लोग फंसे

लखनऊ। राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार यूक्रेन में लखनऊ के 60 लोगों के फंसे होने की जानकारी मिली है। यूपी के 1173 लोगों के वहां फंसे होने की सूचना मिली है। यह जानकारी वहां फंसे लोगों के परिजनों और दोस्तों के माध्यम से राहत आयुक्त कार्यालय को दी गई है। राहत आयुक्त रणवीर प्रसाद ने बताया कि सभी की जल्द वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि फंसे लोगों की स्वदेश वापसी के लिए राज्य आपदा कंट्रोल रूम के माध्यम से समन्वय स्थापित कर सूचनाएं प्राप्त की जा रही हैं।

सुरक्षित वापसी को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में जा सकते हैं चार केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। यूक्रेन संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में वहां पर फंसे भारतीयों की चिंता भी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज फिर से उच्च स्तरीय आपात बैठक बुलाई है। सूत्रों के मुताबिक, यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की निकासी के लिए चार केंद्रीय मंत्रियों को यूक्रेन के सीमावर्ती देशों में भेजा जा सकता है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरण रिजिजू व जनरल वीके सिंह को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजा जा सकता है। ये मंत्री निकासी मिशन के लिए अन्य देशों के साथ समन्वय स्थापित करेंगे और वहां फंसे भारतीय छात्रों की मदद करने का काम करेंगे।

फंसे भारतीयों को तत्काल निकाले सरकारः राहुल

नई दिल्ली। यूक्रेन में फंसे भारतीय मेडिकल छात्रों के साथ मारपीट का एक वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला किया है। उन्होंने लिखा, इस तरह की हिंसा झेल रहे भारतीय छात्रों और वीडियो को देखने वाले उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना है। किसी भी अभिभावक को इससे नहीं गुजरना चाहिए। भारत सरकार को तत्काल इन्हें वहां से निकालने का विस्तृत प्लान फंसे हुए लोगों के साथ उनके परिवारों के साथ साझा करनी चाहिए। हम अपनों को नहीं छोड़ सकते हैं। गौरतलब है कि पीएम मोदी से मदद की अपील करते हुए फतेहाबाद की छात्रा ने वीडियो जारी किया है। हमले का शिकार हुए भारतीय स्टूडेंट्स का कहना है कि हमला करवाले यूक्रेनी सैनिक थे, भारत द्वारा यूक्रेन का युद्ध में साथ नहीं देने पर ये सैनिक गुस्सा जाहिर कर रहे थे।

राजनीति की गंदगी होगी झाड़ू से साफ : संजय सिंह

» जाति-धर्म की राजनीति कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा देश में जाति-धर्म के नाम पर राजनीति कर लोगों को लड़ाने का कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास पर कार्य न करके केवल चुनाव में पुरानी कैसेट लगाकर लोगों से वोट मांग रही है। ये बातें आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बस्ती में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भाजपा को देश, नौजवानों व बच्चों की तरक्की के बारे में पता नहीं है। प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने भाषण में गर्मजोशी के साथ कहते हैं कि ठोक दूंगा, बुलडोजर चलवा दूंगा, क्या यही मुख्यमंत्री की भाषा है।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर में खरीदी हुई, दो करोड़ की जमीन तीन घंटे के बीच में साढ़े सोलह करोड़ में बेच दी जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हर साल दो करोड़ नौकरी देंगे, सात वर्ष बीत गया नौकरी का पता नहीं चला। यूपी में युवाओं से गोबर बेचवा रहे हैं। क्या हमारे युवा गोबर बेचने योग्य हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास की गंगा नहीं, बेरोजगारी की गंगा बह रही है। राजनीति की गंदगी झाड़ू से साफ होगी। सभा

में प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता महंगाई की मार से कराह रही है। सरकार ने जनता के साथ बड़े-बड़े वादे करके सिर्फ उससे ठगने का काम किया है। महंगाई का असर जनमानस पर पड़ा है। मां-बहनों को उज्ज्वला योजना का लाभ दिखाकर उनके आंसू पोछने के लिए कहा था लेकिन इस महंगाई में उनके आंख से आंसू की जगह खून निकल रहे हैं। जनता अब हिसाब देगी। कहा कि हमारी सरकार में सबका साथ सबका विकास पर काम किया जाएगा।

80 बनाम 20 नहीं, गरीब की फीस पर होगा चुनाव

आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। कहा कि सरकार ने विकास कार्यों को किया है, तो आज उनके विधायकों को जगह-जगह कान पकड़ कर, उठक बैठक कर, दंडवत होकर लोगों से व आम जनता से माफी क्यों मांग नहीं पड़ रही है। इस बार का चुनाव 80 बनाम 20 नहीं, बल्कि गरीब की फीस पर होगा। नौजवान को को दिए गए रोजगार के वादों पर होगा, महिलाओं की सुरक्षा पर होगा, छात्र-छात्राओं की शिक्षा पर होगा। यह भी कहा कि यदि उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है तो दिल्ली की तर्ज पर यहां के स्कूलों, अस्पतालों, सड़क, पानी और बिजली की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा।

सरकार बनते ही अपराधी होंगे प्रदेश से फरार : स्वतंत्र देव

» भाजपा की सरकार बनी तो समृद्धशाली राज्य पाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठवें चरण के चुनाव से पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भाजपा की सरकार बनाएंगे तभी समृद्धशाली राज्य पाएंगे। दलितों, पिछड़ों सहित सभी वर्गों का सम्मान भाजपा में ही सुरक्षित है। सपा सहित अन्य विपक्षी पार्टियां केवल गुमराह करने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि मोदी व योगी सरकार ने 15 करोड़ लोगों को राशन, सभी को कोरोना टीका के अलावा गरीबों को आवास, गैस कनेक्शन, बिजली सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से आच्छादित किया है। जबसे यूपी में भाजपा की सरकार बनी है अपराध पर अंकुश लगा है।

दोबारा योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनते ही एक घंटे के भीतर बचे हुए अपराधी बोरिया बिस्तर बांध कर उत्तर प्रदेश से फरार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सहित अन्य विपक्षी पार्टियां भाजपा को सांप्रदायिक बताती हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण कराना, हिंदुत्व के मुद्दे पर मुखर होकर बात करना सांप्रदायिकता है तो हम स्वीकार करते हैं कि हां हम सांप्रदायिक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ही झटके में धारा 370 को खत्म कर दिया। सरदार पटेल की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित कर दुनिया को एक संदेश दिया।

दस मार्च को योगी की विदाई : स्वामी प्रसाद

» खुद को अर्जुन और अखिलेश को बताया कृष्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में छठें चरण की वोटिंग से पहले सपा की तैयारियां जोरों पर है। इसी बीच स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस चुनाव को महाभारत बताकर खुद को अर्जुन का तो अखिलेश को कृष्ण कहा। स्वामी ने यह भी कहा कि जो लोग योगी की गुलामी कर रहे हैं, उन्हें सरकार बनने पर छठी की याद दिला दी जाएगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीजेपी पर हिंदू-मुस्लिम विभाजन का आरोप लगाया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने भारत की आजादी में अशफाक उल्ला खां और वीर अब्दुल हमीद के योगदान का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या उन्होंने इसलिए शाहदत दी कि आप उनके बेटे-बेटियों को देश से निकालोगे। उनके साथ सौतेला व्यवहार करोंगे। स्वामी ने कहा ये राजनीति के वे भूखे भेड़िए हैं, जो अपनी राजनीतिक सत्ता के लिए हिंदू-मुस्लिम को आपस लड़वाकर भाईचारे का कत्लेआम कर हिंदू-मुस्लिम का खून खराबा और हिंदू-मुस्लिम की लाश पर सत्ता हथियाना चाहते हैं। इन भूखे भेड़िए से होशियार रहना। इनकी कोशिश रहती है कि कोई ऐसी बात करो कि हिंदू-मुस्लिम लड़ जाए।

राजाभैया सहित 17 लोगों पर केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कुंडा विधानसभा क्षेत्र के रयापुर पोलिंग बूथ पर मतदान के दौरान सपा प्रत्याशी गुलशन यादव के पोलिंग एजेंट को गाड़ी में भरकर उठा ले जाने और पीटकर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में पूर्व मंत्री और कुंडा के निवर्तमान विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया के खिलाफ कुंडा कोतवाली में एससीएसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। रविवार को रैयापुर मतदान केंद्र पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी गुलशन यादव के समर्थक राकेश कुमार को कुछ हमलावर गाड़ी में भरकर उठा ले गए थे और मारपीट कर घायल कर दिया था। एजेंट ने राजाभैया के ईशारे पर जनतासत्ता दल लोकतांत्रिक कार्यकर्ताओं पर मारपीट करने का आरोप लगाया था।

उत्तराखंड में प्रचंड बहुमत से सरकार बना रही कांग्रेस : प्रीतम

» भाजपा मुंगेरीलाल के सपने देखना बंद करे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह का कहना है कि राज्यवासियों ने इस बार बदलाव का मन बनाया है। भाजपा मुंगेरीलाल के सपने देखना बंद करे। कांग्रेस प्रचंड बहुमत से प्रदेश में सरकार बना रही है। प्रीतम सिंह ने कहा कि भाजपा में कौन कहां किस से मिल रहा है, यह उनका अंदरूनी मामला है। यह तय है कि इस बार कांग्रेस सत्ता में आ रही है। पोस्टल बैलेट के सवाल पर उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र के इस पर्व में सभी लोग सम्मलित होते हैं।

पोस्टल बैलेट को लेकर वीडियो वायरल हो रहा है तो ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे स्वस्थ लोकतंत्र की अवधारणा पर सवाल उठते हैं। सेना में भी

यही व्यवस्था होनी चाहिए कि यह जवान तय करे कि वह किसे वोट डालना चाहता है। यहां तो वीडियो में एक ही व्यक्ति सबके वोट डालता नजर आ रहा है। मामले का चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया है, इसकी जांच भी हो रही है। उधर विधानसभा चुनाव के परिणाम आने में भले ही 10 दिन का समय हो, लेकिन प्रदेश भाजपा संगठन में बदलाव की सुगबुगाहट महसूस होने लगी है। माना जा रहा कि प्रदेश संगठन की जिम्मेदारी गढ़वाल मंडल से किसी वरिष्ठ नेता को सौंपी जा सकती है। इस विषय पर पार्टी फिलहाल चुप्पी साधे है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

संकेतों को न समझे तो क्या समझे हुजूर!

» 10 मिनट के अपने भाषण में केशव ने मुख्यमंत्री का एक बार भी नाम न लिया

आनंद सिंह

बस्ती। संकेत के बड़े मायने होते हैं। पत्रकारिता में भी, सियासत में भी। सियासी संकेतों की बात करें तो बहुत सारे गूढ़ अर्थ दिखते हैं। शब्दों के संयोजन में बड़ी चतुराई दिखानी पड़ती है। जैसे, रविवार को बस्ती में एक उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री महोदय के सामने भाषण दिया लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम एक बार भी अपने श्रीमुख से लेना गंवारा नहीं समझा।

दूसरा संकेत यह कि एक ने जब प्रधानमंत्री महोदय के सामने 10 मिनट का भाषण दे दिया तो प्रधानमंत्री महोदय ने बाकायदा उनकी हौसला अफजाई की-पीठ पर कई धौल जमाए। ठोका। शाबाशी दी। दरअसल, रविवार को बस्ती में प्रधानमंत्री की सभा थी। प्रधानमंत्री जब स्टेज पर आए तो उन्होंने संकेत से उप

मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बुलाया और कान में कुछ कहा। मंच संचालन हरीश कर रहे थे। हरीश से भी प्रधानमंत्री ने कुछ संकेत में कहा और हरीश ने केशव मौर्य को भाषण देने के लिए बुला लिया। भाषण में केशव मौर्य ने गरीबी, अनाज बंटवारा आदि का जिक्र किया। बीच-बीच में वह लोगों से हाथ उठवाते रहे और तालियां बजवाते रहे। कोरोना काल में सरकार ने जो कुछ भी किया, उसकी क्रेडिट से भी ली। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का जिक्र एक बार भी नहीं आया। प्रधानमंत्री की इस सभा में प्रदेश के दोनों डिप्टी चीफ मिनिस्टर मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री और अपना दल की सर्वेसर्वा अनुप्रिया पटेल को भी भाषण देने का मौका मिला। बस्ती की सभा में मुख्यमंत्री मौजूद नहीं थे। वह सिसवां आदि में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

पूछ सकते हैं इसमें नई बात क्या है

नई बात यह है कि प्रधानमंत्री और एक केंद्रीय मंत्री की मौजूदगी में उप मुख्यमंत्री अपने मुख्यमंत्री का नाम नहीं लेते। इतना ही नहीं, भाषण समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री से जब वह मिलते हैं तो प्रधानमंत्री उनकी पीठ भी ठोकते हैं। बस्ती भाजपा में इस घटनाक्रम को लोग अपने ही हिसाब से देख रहे हैं। इस बात की भी चर्चा शुरू हो गई है कि अगर भाजपा चुनाव जीत जाती है तो मुख्यमंत्री के तौर पर आदित्यनाथ रहेंगे या केशव...? बहरहाल, ये संकेत हैं। संकेतों को समझना जरूर चाहिए।

यूपी चुनाव: अब मायानगरी के उत्तर भारतीय नेता पहुंचे पूर्वांचल, सियासी माहौल बनाने में जुटे

» गलियों से पगडंडियों की छान रहे है खाक, सभी दल लगा रहे हैं जोर

» भाजपा की टीम प्रचार में जुटी, उत्तर प्रदेश में सत्ता का रास्ता निकलता है पूर्वांचल से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में अब मायानगरी मुंबई के उत्तर भारतीय नेताओं की फौज भी चुनाव मैदान में उतर चुकी है। मायानगरी के नेता गांव का रूख कर चुके हैं।

पूर्वांचल में शहरों की गलियों से लेकर गांव की पगडंडियों की खाक छान रहे है। इसमें सबसे आगे भाजपा है जबकि कांग्रेस, सपा और शिवसेना के नेता भी जोर लगा रहे है।

उत्तर प्रदेश में सत्ता का रास्ता पूर्वांचल से होकर निकलता है इसलिए यहां मोदी-योगी की विशेष नजर है। वहीं, यह भी माना जाता है कि पूर्वांचल की प्रगति देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की बदौलत है। यही वजह है कि यहां के लोगों का मुंबई से बेहद खास नाता है इसलिए पूर्वांचल में लहलहाती सियासी फसल को काटने के लिए मुंबई के नेता यूपी की ओर चल पड़े है। महाराष्ट्र भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष संजय पांडेय के नेतृत्व में 130 कार्यकर्ताओं की टीम बीते एक महीने से कानपुर, उन्नाव, पीलीभीत, शाहजहांपुर रायबरेली की 54 विधानसभाओं में चुनाव प्रचार करने के बाद अमेठी और सुल्तानपुर के रास्ते पूर्वांचल के रण में दाखिल हो चुकी है। इसके अलावा मुंबई भाजपा की अलग-अलग टीम आरएसएस की अपनी प्रांत रचना के अनुसार अब गोरखपुर और काशी में डट गई है। महाराष्ट्र भाजपा उपाध्यक्ष जय प्रकाश सिंह ठाकुर वाराणसी और भदोही में हैं तो मुंबई के भाजपा नेता आरयू सिंह बलिया, बहराइच, देवरिया और आजमगढ़ में सहयोगी दलों के साथ समन्वय की भूमिका निभा रहे हैं जबकि भाजपा नेता मनोभव त्रिपाठी अकबरपुर जिले की खाक छान रहे हैं।

शहर से ज्यादा जागरूक है गांव की जनता

गोरखपुर, सुल्तानपुर, कुशीनगर और जौनपुर का दौरा कर लौटे मुंबई उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रभारी व मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने बताया कि पूर्वांचल में शहरो की तूलना में ग्रामीण क्षेत्र की जनता चुनाव को लेकर बेहद जागरूक हैं। मोदी-योगी के विकास कार्यों के अलावा कानून-व्यवस्था पर लोगों को विश्वास है इसलिए ग्रामीण क्षेत्र में भाजपा की लहर है।

बूथ और पन्ना प्रमुख की नाराजगी

साल 2017 से लेकर 2019 तक के चुनाव में भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह ने बूथ और पन्ना प्रमुख के बूते चुनाव की बाजी पलट दी थी। यूपी का वह बूथ और पन्ना प्रमुख इस बार खफा है जो भाजपा को भारी पड़ सकता है। कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई इसलिए उनमें नाराजगी है।

कांग्रेस, सपा और शिवसेना की टीम भी सक्रिय

विधान सभा चुनाव में प्रियंका गांधी की मदद के लिए मुंबई कांग्रेस के युवा नेता सूरज सिंह ठाकुर सहित पार्टी के उत्तर भारतीय नेता भी यूपी में दाखिल हुए हैं। महाराष्ट्र की प्राथमिक शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ भी लखनऊ के पार्टी दफ्तर से कांग्रेस की रणनीति तैयार कर रही हैं। वहीं, आजमगढ़ के मूल निवासी महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष व विधायक अबू आसिम आजमी भी अखिलेश यादव के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। दरअसल, आजमी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विवादित बयान दिया था इसलिए उन्हें चुनाव प्रचार से दूर रखा गया था लेकिन अब पूर्वांचल में उनकी जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं, शिवसेना प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी और आनंद दुबे सहित शिवसेना की युवा ब्रिगेड भी यूपी के दंगल में दांव मारने पहुंची है।

रिजल्ट आने से पहले उत्तराखंड में भाजपा नेता ने हार स्वीकारी

आरोप, चुनाव हरवाने में स्पष्ट रूप से सक्रिय दिखे जिम्मेदार

स्वामी यतींद्रानंद गिरि ने जेपी नड्डा को लिखा पत्र

» कुप्रबंधन की वजह से परिणाम आशा के विपरीत आने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून/लखनऊ। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव हो चुका है। रिजल्ट दस मार्च को आएगा पर इससे पहले भाजपा के एक नेता ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। वो कहते हैं कि इस बार सरकार बदल जाएगी। इस बयान के बाद उत्तराखंड भाजपा में हड़कंप मच गया है। फिलहाल उच्च नेतृत्व ने अभी तक इस मामले में कोई जवाब नहीं दिया है।

भाजपा से वर्ष 2009 में हरिद्वार सीट से लोक सभा का चुनाव लड़ चुके महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि महाराज की ओर से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को लिखे पत्र से हड़कंप मचा हुआ है। उन्होंने पत्र में कहा कि इस बार चुनाव में कुप्रबंधन की वजह से कुछ जगह परिणाम आशा के विपरीत भी आ सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लिखे पत्र में महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि महाराज ने कहा कि उत्तराखंड में प्रदेश स्तर पर कोई जिम्मेदार एवं गंभीर व्यक्ति नहीं था, जो चुनाव प्रबंधन की रूपरेखा ठीक से बना सके। उन्होंने लिखा है कि प्रदेश संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी जिन व्यक्तियों को दी गई, वह स्वयं चुनाव लड़ने और संगठन के बाकि व्यक्तियों को चुनाव हरवाने में स्पष्ट रूप से सक्रिय दिखे। कई विधान सभा में भाजपा के ही नेता असंतुष्ट होकर चुनाव मैदान में उतर आए या उतारे गए। स्थानीय एवं प्रदेश स्तर से कोई ठीक से वार्ता कर समझाकर बैठाने के प्रयास ही नहीं किए गए जबकि यह संभव था। औपचारिकताएं जरूर पूरी की गई। इस वजह से सरकार बनाने में परेशानी आएगी। उन्होंने पत्र में कहा कि 2009 के लोक सभा चुनाव में उन्हें भी वर्तमान में शीर्ष नेतृत्व पर मौजूद व्यक्ति ने हरवाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्त्ताओं की भावना को समझते हुए उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने पत्र की प्रतिलिपि गृह मंत्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष को भी भेजी है।

भाजपा में भितरघात केसवाल पर सीएम धामी भड़के

सीएम पुष्कर सिंह धामी कुमाऊं दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने नैनीताल व ऊधमसिंह नगर के मंदिरों में दर्शन कर प्रदेश के सुख समृद्धि की कामना की। इसी क्रम में काशीपुर के साईं धाम मंदिर में दर्शन को पहुंचे सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार की वापसी हो रही है। काशीपुर सहित कई सीटों पर पार्टी में भीतरघात के सवाल पर कहा कि कुछ प्रत्याशियों ने ऐसी बातें की हैं, लेकिन बेहतर होता कि वह इसे पार्टी फोरम में रखते। सीएम धामी कुंडेश्वरी रोड स्थित साईं धाम में पूजा अर्चना करने के बाद पत्रकारों से रूबरू थे। उन्होंने कहा कि पुलिस के ग्रेड पे का मामला सरकार गंभीरता से लेगी और कैबिनेट गठन के एक माह के अंदर ही मामला सुलझाया जाएगा। चुनाव में विभिन्न सीटों पर पार्टी के अंदर गुटबाजी के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़ी है। पार्टी कार्यकर्ता जोश से लबरेज हैं हमें पूरा भरोसा है कि प्रदेश में भाजपा सरकार की वापसी होगी।

गोरखपुर में भाजपा की बागियों पर बड़ी कार्रवाई

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ने वाले नेताओं पर सख्त रूख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व ने ऐसे कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है, जो पार्टी से टिकट न मिलने की वजह से बागी होकर चुनाव मैदान में उतर गए हैं। गोरखपुर-बस्ती मंडल में ऐसे कार्यकर्ताओं की संख्या पांच है। इन कार्यकर्ताओं को निकालने की कार्रवाई क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह की संस्तुति पर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने की है। गोरखपुर जिले की बांसगांव सीट पर निर्दल प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे विजय पासवान के खिलाफ निष्कासन की कार्रवाई हुई है। वह भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी का निर्वहन कर चुके हैं। पूर्व जिला कोषाध्यक्ष अजय सिंह टप्पू को पार्टी ने चौरी चौरा विधान सभा सीट से अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने की वजह से निकाला है। महराजगंज के मीडिया विभाग के जिला संयोजक अजय कुमार श्रीवास्तव भी पार्टी से निकाल दिए गए हैं। वह भी सिसवा सीट पर पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ निर्दल चुनाव मैदान में हैं। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शैलेंद्र कुमार उर्फ राजू श्रीवास्तव को पार्टी ने निकाला है। वह शिव सेना के टिकट से सिद्धार्थनगर की डुमरियागंज सीट पर चुनाव मैदान में उतरे हैं। कुशीनगर की तमकुही राज विधान सभा सीट पर भाजपा के जिला कार्यसमिति सदस्य मान सिंह चौहान जन अधिकार पार्टी के टिकट से चुनाव लड़ रहे हैं। इनके खिलाफ भी निष्कासन की कार्रवाई हुई है।

भितरघातियों पर कांग्रेस ने दिए सख्त रुख के संकेत

उत्तराखंड कांग्रेस ने प्रदेश में पार्टी प्रत्याशियों के खिलाफ काम करने वालों के खिलाफ 10 मार्च के बाद सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। कई जिलों से भितरघात होने की सूचना भी मिली है। ऐसी शिकायतों और प्रकरणों का ब्यौरा एकत्र किया जा रहा है। कांग्रेस प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव में खम ठोकने वाले बागियों को पहले ही निष्कासित किया जा चुका है। चुनाव में भितरघात की शिकायतें कई जिलों से पार्टी को मिली हैं। जिला इकाइयों ने भी ऐसे मामले उठाए हैं। स्थानीय स्तर पर उन नेताओं और कार्यकर्ताओं की जानकारी एकत्र की जा रही है, जिन्होंने पार्टी प्रत्याशियों के खिलाफ काम किया या उन्हें समर्थन देने के प्रति उदासीन रहे। बूथ इकाइयों से भी इस संबंध में ब्यौरा लिया जा रहा है। मतदान से पहले कई स्थानों पर पार्टी के भीतर उभरे असंतोष को भी गंभीरता से लेने के संकेत हैं। 10 मार्च को चुनाव परिणाम आने के बाद ऐसी शिकायतों का परीक्षण कर अनुशासनहीनता बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

यूक्रेन युद्ध और दो गुटों में बंटती दुनिया

यूक्रेन पर रूस की आक्रामक नीति का परिणाम अब सतह पर आने लगा है। सैन्य संगठन नाटो का हिस्सा बनने से रोकने को लेकर रूस ने यूक्रेन से जो युद्ध छेड़ा है, उसकी तपिश पूरी दुनिया में दिखने लगी है। दुनिया एक बार फिर दो गुटों में बंट गयी है। एक ओर रूस की कार्रवाई का समर्थन करने वाले देश हैं तो दूसरी ओर अमेरिका, कनाडा समेत यूरोपीय संघ के तमाम देश हैं।

यूक्रेन पर रूस की आक्रामक नीति का परिणाम अब सतह पर आने लगा है। सैन्य संगठन नाटो का हिस्सा बनने से रोकने को लेकर रूस ने यूक्रेन से जो युद्ध छेड़ा है, उसकी तपिश पूरी दुनिया में दिखने लगी है। दुनिया एक बार फिर दो गुटों में बंट गयी है। एक ओर रूस की कार्रवाई का समर्थन करने वाले देश हैं तो दूसरी ओर अमेरिका, कनाडा समेत यूरोपीय संघ के तमाम देश हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने साफ तौर पर कह दिया है कि दुनिया को एक लंबे युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। वहीं अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर ताबड़तोड़ प्रतिबंध लगाकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का गुस्सा बढ़ा दिया है। सवाल यह है कि क्या यूक्रेन युद्ध एक और बड़े महायुद्ध का कारण बन सकता है? आखिर रूस यूक्रेन को पूरी तरह तबाह करने पर क्यों उतारू हैं? क्या आर्थिक प्रतिबंधों का कोई असर रूस पर पड़ेगा? क्या यूक्रेन वार से चीन की विस्तारवादी नीतियों को बल नहीं मिलेगा? क्या यूक्रेन में तख्तापलट के बाद रूस वापस जाएगा या क्रीमिया की तरह कब्जा कर लेगा? आखिर अमेरिका और यूरोपियन संघ केवल प्रतिबंधों के भरोसे क्यों हैं?

यूक्रेन युद्ध का असली कारण नाटो संगठन में उसके शामिल होने की कवायद रही है। रूस नहीं चाहता कि उसके पड़ोस में नाटो की मौजूदगी हो। अब वह यूक्रेन को तबाह करने पर उतारू है ताकि भविष्य में वह ऐसी हिमाकत न कर सके। एक संप्रभु देश के प्रति रूस के इस आक्रामक रवैए का समर्थन नहीं किया जा सकता है। यूक्रेन युद्ध ने पूरी दुनिया को शीतयुद्ध के काल में पहुंचा दिया है। विश्व दो गुटो में बंट चुका है। एक का नेतृत्व अमेरिका कर रहा है तो दूसरे का रूस। चीन रूस के साथ है। कई अन्य देश भी रूस का समर्थन कर रहे हैं। रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों का असर पड़ेगा, यह फिलहाल भविष्य के गर्त में है। वहीं रूस के खिलाफ विश्व बिरादरी की कार्रवाई पर चीन की नजर है। यदि इस मामले में विश्व ने मजबूती से हस्तक्षेप नहीं किया तो आने वाले दिनों में छोटे देशों को विस्तारवादी देश निगलने की कोशिश करेंगे। चीन के निशाने पर ताइवान है। उसके जंगी जहाज वहां लगातार घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं। वह ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश कर सकता है। वह दावा करता रहा है कि ताइवान उसका क्षेत्र है। यूक्रेन वार का असर विश्व पर दिखने लगा है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल आ गया है और इसके आगे बढ़ने की संभावना है। कुल मिलाकर ये स्थितियां विश्व शांति के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती हैं और जिस तरह की धमकी रूस पूरी दुनिया के देशों को दे रहा है, उसमें एक छोटी सी घटना विश्व युद्ध में तब्दील हो सकती है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत की संस्कृति में एकात्म भाव

अश्विनी महाजन

कुछ समय पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक राष्ट्र नहीं है बल्कि राज्यों का संघ है। यह बात सही है कि संविधान में भारत को राज्यों के संघ के रूप में वर्णित किया गया है लेकिन उनका यह कहना कि भारत एक राष्ट्र नहीं है, संविधान, संविधान की भावना और इस देश की सांस्कृतिक सोच के विरुद्ध है। भारत का संविधान लिखता है कि इंडिया यानी भारत राज्यों का संघ होगा, भारत कहते ही यह बात स्पष्ट हो जाती है कि यह देश भारत है। भारत शब्द कहते ही हमारे सामने एक भौगोलिक चित्र के साथ हजारों वर्षों की सांस्कृतिक धरोहर की अनुभूति आ जाती है। विष्णु पुराण में भी भारत के भौगोलिक स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा गया है- उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम् / वर्ष तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः, यानी समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो भूमि स्थित है, उसे भारत भूमि कहते हैं और इस पवित्र भारत भूमि पर निवास करने वाले लोगों को भारतीय कहा जाता है।

भारत को एक राष्ट्र के रूप में मात्र इसलिए नहीं जाना जाता कि वह एक भू-भाग है बल्कि इसलिए भी कि भारत विश्व की सबसे पुरानी एवं जीवित संस्कृतियों में से एक होने के साथ विविधताएं होते हुए भी यहां की संस्कृति में एकात्म भाव देखने को मिलता है। पश्चिमी देशों में नेशनलिज्म की परिभाषा उनकी भाषा, संप्रभु, राज्य, भौगोलिक सीमा, जनता की इच्छाशक्ति आदि के आधार पर दी जाती रही है। यूरोप में नेशनलिज्म की अवधारणा बहुत पुरानी नहीं है। वहां के देशों ने अलग-अलग वर्षों में नेशनहुड प्राप्त किया यानी कहा जा सकता है कि यूरोपीय देशों में नेशनलिज्म प्रारंभिक काल से नहीं था। इसकी तुलना में यदि भारत में देखते हैं तो भारत की राष्ट्रीयता किसी राजा, भाषा अथवा राज्य शासन पर आधारित नहीं रही। संपूर्ण भारत अधिकांश समय किसी एक राजा के आधिपत्य में नहीं रहा। स्वतंत्रता से पूर्व कभी भी देश में एक जैसे नियम-कानून लागू नहीं रहे, तो भी भारत को हमेशा से एक राष्ट्र माना जाता रहा है। ऐसा क्या है कि भारत की राष्ट्रीयता हजारों वर्षों से अक्षुण्ण रही है जबकि पश्चिमी विचारकों से अभिभूत भारत के कुछ विचारक भारत की राष्ट्रीयता को पश्चिम के नेशनलिज्म के पैमाने से नापने की कोशिश करते हैं जबकि पश्चिम में नेशनलिज्म अपेक्षाकृत एक नयी एवं संकीर्ण अवधारणा है, जो 15-16वीं शताब्दी में ही रूप ले पायी। जो भारत की राष्ट्रीयता को पश्चिम के

चश्मे से देखना चाहते हैं, उन्हें लगता है कि राष्ट्र से अभिप्राय किसी एक राज्य व्यवस्था के अस्तित्व से है इसलिए वे इंग्लैंड, जर्मनी, फ्रांस आदि यूरोपीय देशों के राष्ट्रवाद को तो मान्यता देते हैं, लेकिन भारत के राष्ट्रवाद को नकारते हैं। यूरोप में नेशनलिज्म की भावना का प्रारंभ फ्रांसीसी राज्य क्रांति के बाद हुआ पर विडंबना यह है कि स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आधार पर हुई उस राज्य क्रांति की परिणति नेपोलियन में हुई और उसके विस्तारवादी आक्रमणों की प्रतिक्रिया में यूरोपीय देशों के नेशनलिज्म को बढ़ावा मिला।

मध्ययुगीन पश्चिम को नेशनलिज्म या ऐसी आधुनिक संकल्पनाओं का कोई ज्ञान ही नहीं था। विभिन्न भूभागों, जैसे उत्तर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया आदि के मूल निवासियों को खदेड़ते हुए इन यूरोपीय देशों ने अपने उपनिवेश स्थापित कर लिये। इन भूभागों में भी सहज रूप से राष्ट्रीयता का विकास हुआ लेकिन इन सभी देशों में नेशनलिज्म की अवधारणा वहां की शासन व्यवस्था के आधार पर है यानी यह समझा जाता है कि जहां एक शासन व्यवस्था है, उसे ही राष्ट्र माना जायेगा। इसीलिए वे लोग जो नेशनलिज्म की यूरोपीय अवधारणा से अभिभूत हैं, उन्हें भारत की राष्ट्रीयता समझ में नहीं आती। ऐसा देश, जिसे हजारों वर्ष पहले लिखे पुराणों में भी एक राष्ट्र माना गया है, जहां विभिन्न भाषाओं, रीति-रिवाजों, जाति-बिरादरियों, पूजा पद्धतियों के बावजूद एक एकात्मता का भाव है, जहां हजारों वर्षों से लोग देश की चारों दिशाओं में तीर्थों के लिए जाते हैं, जहां विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग राज्य व्यवस्था होते हुए भी एक राष्ट्रीय विचार हमेशा रहा है, उसे वे राष्ट्र मानने के लिए तैयार नहीं है। उनको ऐसा लगता है कि ब्रिटिश शासन आने के बाद ही देश में एक राज्य व्यवस्था लागू हो सकी इसलिए भारत को एक राष्ट्र बनाने के लिए ब्रिटिश शासन जिम्मेदार है लेकिन वे लोग जिनकी यह दृढ़ मान्यता है, और जो सही भी है कि भारत, जिसमें विविधताओं के बावजूद लोगों में एकात्म भाव है, जिसकी अपनी एक सांस्कृतिक पहचान, विरासत एवं एकता विभिन्न प्रकार से परिलक्षित होती है, वे यह मानने को तैयार नहीं कि भारत की राष्ट्रीयता ब्रिटिश शासन की कर्जदार है। इसके पहले कांग्रेस के किसी नेता ने 'भारत एक राष्ट्र नहीं है' जैसी बात नहीं कही है।

आयुर्वेद चिकित्सा की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता

रघुवीर चारण

आज भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद की स्वीकार्यता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी है। हाल ही में केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री ओडिंगा अपनी बेटी के उपचार के लिए भारत यात्रा पर आए। उनकी बेटी का आंखों का उपचार केरल में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से हुआ। उपचार के तीन सप्ताह में सुखद परिणाम मिले। इससे प्रभावित होकर उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने देश में आयुर्वेद चिकित्सा के प्रसार का वादा किया। अब आयुर्वेद का विस्तार ग्लोबल स्तर पर हो गया है। हमारे पड़ोसी देशों के साथ-साथ ही आयुर्वेद की पहुंच यूरोपियन यूनियन के देशों रोमानिया, हंगरी, सर्बिया, स्लोवेनिया तक हुई है। अभी तक लगभग सोलह देशों में आयुर्वेद चिकित्सा को रेगुलेट किया गया है। इसके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहले ग्लोबल सेंटर ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना दिल्ली में की है। जिस चिकित्सा पद्धति को अंग्रेज औपनिवेशिक काल में अवैज्ञानिक और अंधविश्वासी करार दिया था, आज उसी आयुर्वेद की दुनिया मुरीद हुई है। चिकित्सा विज्ञान की नई उम्मीद की किरण बना है आयुर्वेद।

अब आयुर्वेद का विस्तार ग्लोबल स्तर पर हो गया है। हमारे पड़ोसी देशों के साथ-साथ आयुर्वेद की पहुंच यूरोपियन यूनियन के देशों रोमानिया, हंगरी, सर्बिया, स्लोवेनिया तक हुई है। अभी तक लगभग सोलह देशों में आयुर्वेद चिकित्सा को रेगुलेट किया गया है। इसके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहले ग्लोबल सेंटर ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना दिल्ली में की है। जिस चिकित्सा पद्धति को अंग्रेज औपनिवेशिक काल में अवैज्ञानिक और अंधविश्वासी करार दिया था, आज उसी आयुर्वेद की दुनिया मुरीद हुई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में आयुर्वेदिक दवाइयों का सालाना कारोबार 10 हजार करोड़ रुपये का है जबकि एक हजार करोड़ रुपये की आयुर्वेदिक दवाइयां निर्यात की जाती हैं। अगर सभी आयुर्वेदिक उत्पादों की बात करें तो 2018 में इसका सालाना कारोबार 30 हजार करोड़ रुपये था, जो 2024 तक 71 हजार करोड़ रुपये का हो सकता है। पिछले एक साल में इसमें काफी तेजी आई है। दरअसल, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति नहीं अपने आप में एक सम्पूर्ण विज्ञान है। 'आयुर्वेद' शब्द का अर्थ है 'जीवन का विज्ञान'। साधारण भाषा में कहें तो जीवन को ठीक प्रकार से जीने का विज्ञान ही आयुर्वेद है। यह विज्ञान केवल रोगों की चिकित्सा या रोगों का ही ज्ञान प्रदान नहीं कराता, अपितु जीवन जीने के लिए सभी प्रकार के आवश्यक ज्ञान प्रदान कराता है। आयुर्वेद के दो मुख्य प्रयोजन हैं।

आयुर्वेद का प्रयोजन स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी व्यक्ति के रोग को दूर करना है। हमारी दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार-विहार अगर समुचित हों तो हम तमाम रोगों से दूर रहकर अपने जीवन को उज्ज्वल और दीर्घायु बना सकते हैं। आयुर्वेद में आहार ही मेडिसिन है, यदि हम भोजन का सेवन विधिपूर्वक करेंगे तो कभी भी अस्वस्थ नहीं होंगे। आयुर्वेद चिकित्सा का प्रकृति पर आधारित होना इसकी सबसे बड़ी महत्ता है। देश में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां आयुष मंत्रालय के अधीन हैं। इसकी स्थापना वर्ष 2014 में हुई थी। इसके अंतर्गत आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शामिल हैं। पिछले साल आयुष विभाग को 2600 करोड़ का बजट आवंटित हुआ था। वित्तवर्ष 2022 में इसको बढ़ा कर 3054 करोड़ किया गया यानी चार सौ करोड़ ज्यादा मिला, जिसमें सबसे ज्यादा 358 करोड़ आयुर्वेद चिकित्सा में रिसर्च व अनुसंधान के लिए प्रदान हुए। इसके साथ ही राष्ट्रीय आयुष मिशन का पांच साल के लिए विस्तार कर दिया। इस मिशन पर कुल 4607 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। अगले वर्ष तक पूरे देश में 12500 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निर्माण किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर आयुर्वेद का प्रसार करना तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से संपूर्ण उपचार को बढ़ावा देना है।

प्रत्येक चिकित्सा पद्धति के अपने मूल सिद्धांत होते हैं। उसी प्रकार आयुर्वेद चिकित्सा के अपने सिद्धांत हैं। इसमें निदान परिवर्जन अर्थात रोग के कारण का त्याग या शमन किया जाता है, जिससे व्याधि को समूल नष्ट किया जाता है। इसकी तुलना हमें आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से नहीं करनी चाहिए। जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से ग्रसित थी, उस समय आयुर्वेदिक औषधियों ने हमारी इम्यूनिटी बूस्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयुर्वेद उपचार से मरीजों को रिकवरी भी शीघ्र मिली। योग की तरह आयुर्वेद को भी विश्वपटल पर पहुंचाने के लिए पहले हमें इसे अपनाना होगा। इसको मुख्यधारा में लाना चाहिए न कि वैकल्पिक चिकित्सा के रूप में प्रयोग करना चाहिए क्योंकि यह हमारे देश की धरोहर है। हम भारतीयों पर पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव हमेशा हावी रहा है। अब तक भले ही चिकित्सा विज्ञान, भाषा, या जीवनशैली जैसे सारे क्षेत्रों में असर पड़ा हो लेकिन अब 21वीं सदी का भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आने वाला समय आयुर्वेद का है इसलिए हमें अपनी चिकित्सा पद्धति में भी आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है।

महाशिवरात्रि पर ऐसे प्रसन्न करें महादेव को

इस साल महाशिवरात्रि पर्व एक मार्च 2022 को है। भगवान शिव को समर्पित को इस दिन को बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव व माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन महादेव की पूजा करते समय बिल्वपत्र, शहद, दूध, दही, शक्कर और गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से भगवान शिव की कृपा हमेशा बनी रहती है। जानिए महाशिवरात्रि के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं-

करें ये काम

1. महाशिवरात्रि के दिन व्रत या उपवास करना चाहिए।
2. सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद स्वच्छ कपड़ों को धारण करना चाहिए।
3. शुभ मुहूर्त में मंदिर जाकर महादेव को जल और दूध अर्पित करना चाहिए।
4. महाशिवरात्रि के दिन ओम नमः शिवाय का जाप करना चाहिए।
5. इस दिन व्रती को अनाज का सेवन नहीं करना चाहिए।

क्या न करें

1. महाशिवरात्रि के दिन मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
2. महाशिवरात्रि के दिन देर रात तक नहीं सोना चाहिए।
3. महाशिवरात्रि के दिन दाल, चावल या गेहूं से बना अन्न नहीं ग्रहण करना चाहिए।
4. ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन काले वस्त्र धारण नहीं करने चाहिए।
5. कहा जाता है कि इस दिन भगवान शिव को अर्पित प्रसाद नहीं खाना चाहिए।

महाशिवरात्रि शुभ मुहूर्त

एक मार्च को महाशिवरात्रि सुबह 03 बजकर 16 मिनट से शुरू होकर बुधवार को 2 मार्च को सुबह 10 बजे तक रहेगी। रात्रि में पूजन का शुभ समय शाम 06 बजकर 22 मिनट से शुरू होकर रात 12 बजकर 33 मिनट तक होगी।

काशी में 44 घंटे मिलेगा बाबा विश्वनाथ का दर्शन

भगवान शिव की नगरी काशी में महाशिवरात्रि 2022 पर बाबा विश्वनाथ के लगातार 44 घंटे होंगे दर्शन-पूजन। इसकी शुरूआत पहली मार्च की भोर ढाई बजे से होगी। सबसे पहले बाबा की मंगला आरती होगी उसके बाद आम भक्तों के लिए बाबा का पट दर्शनार्त खोल दिया जाएगा। उसके बाद दो मार्च की रात शयन आरती तक भक्तों को बाबा का दर्शन मिलता रहेगा। हालांकि कोई भी भक्त बाबा के गर्भगृह के भीतर नहीं जा सकेगा। बाबा विश्वनाथ के शिवलिंग को जल या दूध आदि चढ़ाने के लिए गर्भगृह के चारों दिशाओं में बने द्वार पर ही अरघे का इंतजाम किया जाएगा। दिन भर बाबा की नियमित आरती होती रहेगी। रात में शिव-पार्वती विवाह की रस्म पूरी करेंगे।

चार पहर की पूजा का समय

पहले पहर की पूजा: 1 मार्च 2022 को 6:21 pm से 9:27 pm तक

दूसरे पहर की पूजा: 1 मार्च को रात्रि 9:27 pm से 12:33 am तक

तीसरे पहर की पूजा: 2 मार्च को रात्रि 12:33 am से सुबह 3:39 am तक

चौथे पहर की पूजा: 2 मार्च 2022 को 3:39 am से 6:45 am तक

व्रत का पारण: 2 मार्च 2022, बुधवार को 6:45 am

हंसना मना है

पत्नी: तुमने मेरे साथ धोखा किया है? पति: क्यों जानेमन क्या हुआ? पत्नी: तुमने बताया ही नहीं कि तुम्हारी रानी नाम की पहले से एक पत्नी है पति: ससुर जी को बताया तो था, कि तुझे बिल्कुल रानी की तरह रखूंगा।

मीता पहली बार स्कूटी लेकर पेट्रोल पंप गई और बोली: भईया, पेट्रोल कितने रुपये लीटर है? भईया: मैडम 80 रुपये लीटर... मीता: ठीक से लगा लो भईया, बगल वाला तो 70 रुपये लीटर ही दे रहा है। भईया (गुस्से में) अरे मैडम जी, बगल में डीजल बिक रहा है।

टीटू अपने दोस्त से: सच्चा प्यार एक दिन जरूर वापस आता है मेरी वाली भी आई थी...शादी का कार्ड देने और बोली- बारातियों का स्वागत और ध्यान तुम्हें ही रखना है।

संता: समोसे को खोलकर सिर्फ अंदर का मसाला ही खा रहा था। बंता- अरे! तू पूरा समोसा क्यों नहीं खा रहा? संता- अरे... मैं बीमार हूं ना, डॉक्टर ने बाहर की चीजें खाने से मना किया है।

जेलर: कल तुम्हें फांसी होगी..., बताओ तुम्हारी अंतिम इच्छा क्या है? कैदी: मैं तरबूज खाना चाहता हूं। जेलर: लेकिन ये तरबूज का मौसम नहीं है। कैदी: कोई बात नहीं, मैं इंतजार कर लूंगा।

कहानी — राजा के नए कपड़े

यह एक बहुत ही मजेदार बेड टाइम स्टोरी है जिसे हैंस एंडरसन ने लिखा था। एक राजा नए कपड़ों का बेहद शौकीन था, उसे उसे सिर्फ नए-नए कपड़े पहनने का शौक था और इसके लिए वह बहुत पैसे खर्च करता रहता था। इसे जान कर एक बार दो ठग उसके दरबार में आए और निवेदन किया कि हम आपके लिए एक अद्भुत पोशाक बनाना चाहते हैं। यह ऐसी पोशाक है जो मूर्ख को नहीं दिखेगी। इसे बनाने के लिए हमें सोने- चांदी के तारों और एक कमरे की जरूरत होगी जिसमें हम अपना करघा लगाएंगे। राज तो था ही शौकीन, उसने तुरंत जरूरी इंतजाम करा दिए। ठग करघा लगा कर हाथ ऐसे चलाने लगे जैसे कुछ बुन रहे हों। राजा पोशाक को बनते देखना चाहता था, पर उन्होंने बताया कि बनने के बाद ही दिखाएंगे, आप चाहें तो अपने मंत्रियों को बीच- बीच में भेजते रहिए। मंत्री बीच-बीच में देखने आने लगे। कुछ न दिखने पर भी वे वापस आ कर खूब तारीफ करते। अगर कहते कि वहाँ तो कुछ भी नहीं दिखा, तो उन्हें मूर्ख समझा जाता। इधर ठग चांदी-सोना इकट्ठा करते रहे। आखिर एक दिन बताया कि पोशाक तैयार हो गई। दरबार में जा कर दोनों ठगों ने ऐसा नाटक किया मानो राजा को पहना रहे हों। पोशाक के पीछे का हिस्सा उठाने के लिये पीछे दो सेवक भी खड़े किए। सेवकों ने भी मूर्ख समझे जाने के डर से अपने हाथ ऐसे उठा लिए जैसे सचमुच पोशाक का कोई किनारा पकड़ रखा हो। नई पोशाक पहन कर राजा का जुलूस नगर में निकला। एक सेवक राजा के सिर के ऊपर छत्र उठाए चल रहा था। सड़क के दोनों तरफ खड़ी प्रजा की भीड़ ऐसे दिखा रही थी, जैसे पोशाक की प्रशंसा कर रही हो। तभी भीड़ में से एक बच्चा बोल पड़ा, 'राजा ने तो कुछ पहना ही नहीं है। और भीड़ में कानाफूसी शुरू हो गई। शंका तो राजा के मन में भी थी पर मूर्ख कहलाने के भय से वह यों चलता रहा, जैसे कुछ हुआ ही न हो। बच्चे की बात सुनकर, भीड़ में अन्य लोग भी कहने लगते हैं कि राजा नग्न है। बाकी लोगों के भी ऐसा कहने पर राजा बहुत शर्मिंदा हुआ। उसे पता चल गया कि उसके गर्व और मूर्खता ने उसे ऐसी स्थिति में डाल दिया था, जहां वह उपहास का पात्र बन गया।

11 अंतर खोजें

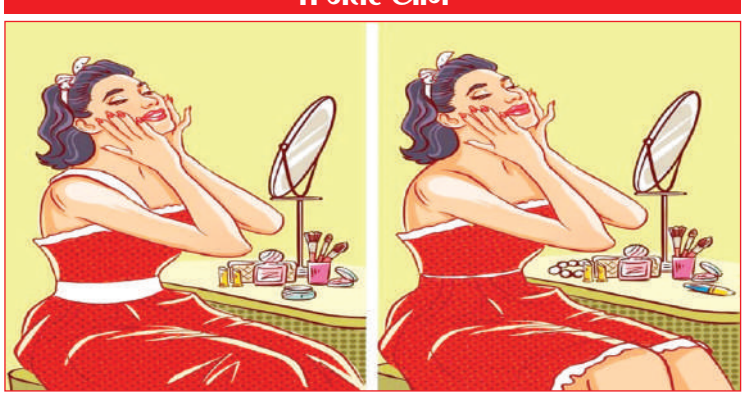

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आप ऐसे व्यक्ति से सावधान रहे जो आपकी लव लाइफ में परेशानी ला सकता है। अपने संबंधों में मधुरता लाने की कोशिश करें, आज आपको सफलता मिल सकती है ।

वृषभ

आज आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। पार्टनर के साथ समय व्यतीत करें। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर रहेंगे। कुछ लोगों को आज शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

मिथुन

रिश्तों को मजबूत करने के लिए आज आप कोई ठोस कदम उठा सकते हैं। आज आपको लगेगा कि आपका पार्टनर केवल निजी फायदे के लिए आपका इस्तेमाल कर रहा है।

कर्क

पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करें। जो किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए आज का दिन अनुकूल है। परिवार में आपके पार्टनर के लिए रजामंदी से आप खुश रहेंगे।

सिंह

सिंगल लोग अपने दोस्तों के साथ मस्ती करेंगे। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। आज अपने प्यार का इजहार कर सकते हैं।

कन्या

सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है। किसी को प्रपोज करने की सोच रहे हैं तो आपके लिए समय अच्छा है। पार्टनर को लैटर लिखने से उनको खुशी होगी।

तुला

आकस्मिक मुलाकात आपके लिए यादगार साबित होगी। आज आपको प्रजोपल मिलने की प्रबल संभावना है। प्रेमी के साथ घूमने जा सकते हैं। पार्टनर की सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक

बिगड़े रिश्तों में मधुरता लाने के लिए आज बात करें। प्यार में बाधा आ सकती है। पार्टनर से गलतफहमी के चलते संबंध खराब हो सकते हैं। आज बनने वाले संबंध ज्यादा समय तक नहीं चलेंगे।

धनु

शांति बनाने की कोशिश करें इससे आपको पार्टनर से प्यार मिलेगा। वाद-विवाद से बचें। पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है लेकिन कुछ देर बाद सब ठीक हो जाएगा।

मकर

आज अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है। पार्टनर की तलाश पूरी हो सकती है। पार्टनर से किसी बात को मनवाने का दबाव ना बनाएं। पार्टनर की ओर से प्यार मिलेगा।

कुम्भ

पार्टनर की किसी बात से परेशान हो सकते हैं। पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव से तनाव महसूस करेंगे। सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। लव-लाइफ के लिए आज का दिन ठीक रहेगा।

मीन

अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। आज सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है।

बालीवुड | मन की बात

सलमान खान को द-बैंग टूर में मिली जबरा फैन

सलमान खान बालीवुड के उन सेलिब्रिटीज में शामिल हैं जिन्हें एक बड़ी तादात दिवानों की तरह फॉलो करती है। फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। वह दुनिया में जहां भी जाते है उन्हें जबरा फैंस जरूर मिल जाते हैं, जिसका ताजा उदाहरण हाल ही में दुबई एक्सपो 2020 में देखने को मिला। जहां एक्टर की एक फीमेल फैन उनसे मिलने के लिए रोते और चिल्लाते हुए दिखाई दी। दो दिन पहले सलमान खान ने दुबई एक्सपो में आयुष शर्मा, सोनाक्षी सिन्हा, गुरु रंधावा, पूजा हेगड़े, दिशा पटानी, मनीष पॉल और सई मांजरेकर के साथ परफॉर्म किया। जो सलमान के द-बैंग द टूर-रीलोडेड में शामिल हैं। दुबई एक्सपो में सलमान के शो के लिए कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में दर्शक इकट्ठा हुए। इस दौरान सलमान की एक फैन भावुक हो गई और रोने लगी। जिसके बाद वह चीखने-चिल्लाने लगी और सलमान से मिलने की जिद करने लगी। जिसका वीडियो सलमान के फैन पेज ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इवेंट के इस वायरल वीडियो में एक महिला मंच के पास लगे बैरीकेडिंग के नजदीक खड़े होकर रोते हुए दिख रही है और चिल्लाते हुए कह रही है, मैं सिर्फ सलमान खान के लिए आई हूं। मुझे उनसे मिलना है। एक अन्य महिला इस जबरा फैंन को शांत करने की कोशिश करती है लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रहती है। जिसके बाद सेक्योरिटी गार्ड्स आकर मैटर को संभालते हैं। इस दौरान होस्ट मनीष पॉल भी महिला को आश्वासन देते हैं और गार्ड्स से उसकी मदद करने के लिए कहते हैं। मनीष कहते हैं मैं बिलकुल आपको सलमान सर से मिलवाउंगा, भाई ध्यान दे कहीं बहोश न हो जाए। सलमान के इस दुबई टूर की वीडियोज वायरल हैं। जिनमें एक्टर स्टेज पर अपनी जबरदस्त परफॉरमेंस से आग लगाते नजर आए।

बॉक्स ऑफिस पर गंगूबाई काठियाबाड़ी ने पहले दिन की कमाई ने चौंकाया

माठीपुरा के लोगों का भरोसा जीतने के बाद अब गंगूबाई काठियावाड़ी जनता का दिल जीतने निकल पड़ी हैं। इस बात का सबूत संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी ने पहले दिन ही दे दिया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई के साथ ओपनिंग कर डाली है। फिल्म ने पहले दिन 10.50 करोड़ का कलेक्शन किया है।

आलिया भट्ट स्टारर इस फिल्म को क्रिटिक्स और जनता दोनों की सराहना मिल रही है। यह फिल्म शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हुई है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रिलीज करते हुए बताया कि गंगूबाई काठियावाड़ी ने 10.50 करोड़ के साथ बंपर ओपनिंग की है। पैन्डेमिक के इस दौर की यह तीसरी हाईएस्ट ओपनिंग हिंदी फिल्म है।

बॉलीवुड | मसाला

गंगूबाई काठियावाड़ी जिसने नॉन-हॉलीडे रिलीज पर 10.50 करोड़ की कमाई की, इससे पहले दिवाली पर रिलीज सूर्यवंशी ने 26.29 करोड़ और क्रिसमस पर रिलीज 83 को 12.64 करोड़ की ओपनिंग मिली थी। गंगूबाई काठियावाड़ी ने मुंबई सर्किट में काफी अच्छा परफॉर्म किया है। अगर फिल्म का फर्स्ट डे कलेक्शन 10 करोड़ है, तो आने वाले दिनों में यह आंकड़ा तेजी से बढ़ने में कोई शक नहीं है।

फिल्म में आलिया भट्ट ने गंगूबाई काठियावाड़ी के किरदार को जीवंत कर दिया है। वैसे तो फिल्म में गंगूबाई के एक से बढ़कर एक डायलॉग्स हैं, लेकिन एक डायलॉग जिसमें उन्होंने अपनी जिंदगी की कहानी बता दी- हम दिल में आग चेहरे पर गुलाब रखते हैं, मिटा के तुम्हारे मर्दों की भूख हम तुम्हारा रुबाब रखते हैं...। फिल्म की कहानी जिस तरह से बुनी गई है, वह काबिले-तारीफ है। अब देखना ये है कि गंगूबाई काठियावाड़ी बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन कर पाती है।

चूंकि गंगूबाई काठियावाड़ी का बज पहले से बना हुआ था, ऐसे में इसे वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिला। कोरोना केसेज कम होने के चलते थिएटर्स वापस खोल दिए गए हैं, तो फिल्म देखने थिएटर्स में लोगों की अच्छी-खासी भीड़ जुटी। हालांकि फिल्म के फर्स्ट डे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की उम्मीद इससे ज्यादा थी। दूसरे प्लस प्वाइंट्स को देखें तो संजय लीला भंसाली जैसे लार्जर देन लाइफ फिल्मों के डायरेक्टर हमेशा से ही दर्शकों को लुभाती रही है। फिल्म में आलिया भट्ट थीं। आलिया का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोलता है। तो उनकी फिल्म फैंस कैसे मिस करते।

विद्या बालन ने येलो साड़ी में ढाया सितम

विद्या बालन अपनी दमदार एक्टिंग के साथ बेबाक अंदाज के लिए भी काफी मशहूर हैं। आज वह किसी भी परिचय की मोहताज नहीं रह गई हैं। वह अपनी शानदार एक्टिंग से तो करोड़ों दर्शकों का दिल जीत ही चुकी हैं। इसके अलावा विद्या ने लोगों को अपने स्टाइलिश अंदाज से दीवाना बनाया हुआ है।

विद्या अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी तस्वीरें शेयर कर फैंस को अपडेट करती रहती हैं। विद्या ने एक बार फिर से अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह पीले रंग की साड़ी पहने नजर आ रही हैं और बला की खूबसूरत लग रही हैं। अपने इस को कंप्लीट करने के लिए विद्या ने लाइट मेकअप है। यहां उन्होंने बालों को बांधा हुआ है। कानों में छोटे से ईयरिरंग्स और माथे पर बिंदी उन पर काफी जच रही है। विद्या ने एक साथ अपनी तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह सीढ़ियों पर खड़े होकर अलग-अलग पोज दे रही हैं। अब लोगों के लिए उनकी तस्वीरों से नजरें हटाना मुश्किल हो गया है।

बॉलीवुड | मसाला

लोगों की निगाहें उनकी मुस्कान पर ठहर गई है।

विद्या ने एक बार फिर से लोगों का दिल चुरा लिया है। अब सोशल मीडिया पर विद्या की ये तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इस फोटोज पर फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। इंस्टाग्राम पर विघा के लाखों फैंस हैं, जो दिल खोलकर इन तस्वीरों को लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

अजब-गजब | जानिए क्या है वजह

पटरी पर देर तक खड़ा होने के बाद भी बंद नहीं होता ट्रेन का इंजन

रेलवे स्टेशन पर अक्सर आपने देखा होगा कि किसी पटरी पर ट्रेन बहुत देर से खड़ी है, लेकिन उसका इंजन चलता रहता है। ऐसा बहुत कम ही देखने को मिलता है कि पटरी पर ट्रेन खड़ी हो और उसका इंजन बंद हो या आपके सामने स्टार्ट हुआ हो, लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? तो चलिए आज जानते हैं कि किस वजह से ट्रेन का इंजन हमेशा चालू ही रहता है...

रुकी हुई ट्रेन की डीजल इंजन को चालू रखना लोको पायलेट यानी ट्रेन के ड्राइवर की मजबूरी होती है। जिस तरह कार या बाइक को थोड़ी देर खड़ी करने पर इंजन ऑफ कर दिया जाता है वैसा ट्रेन की इंजन के साथ नहीं किया जा सकता। ऐसा ट्रेन के डीजल इंजन की वजह से होता है, क्योंकि डीजल इंजन को इस तरह बनाया गया है कि उसे थोड़े समय के लिए बंद नहीं किया जा सकता है। आइए जानते हैं डीजल इंजन को थोड़ी देर के लिए क्यों नहीं बंद किया जाता है...

सबसे पहली वजह ये है कि ट्रेन की डीजल इंजन की तकनीक काफी जटिल होती है, जिसकी वजह से इसे स्टेशन पर रोके जाने के बाद भी बंद नहीं किया जाता है। वहीं जब ट्रेन को रोका जाता है तब ट्रेन का इंजन अपना ब्रेक प्रेशर खो देता है और ट्रेन रुकने पर एक सीटी जैसी आवाज निकलती है। ये आवाज इस बात का संकेत है कि ब्रेक प्रेशर को रिलीज कर दिया गया है। साथ ही इस प्रेशर को बनने में कुछ वक्त लगता है। अगर इंजन को पूरी तरह से हर स्टेशन पर बंद कर दिया जाए तो उसे उस ब्रेक प्रेशर को बनाने में अतिरिक्त वक्त लगेगा। जानकारों के मुताबिक डीजल इंजन को स्टार्ट होने में काफी इंधन की आवश्यकता होती है और जब ये इंजन स्टेशनों पर खाली खड़े रहते हैं तब भी इंधन का इस्तेमाल होता है, क्योंकि तब इंजन की बैटरी इंधन की मदद से चार्ज होती है। अब इंजन की ज्यादा जरूरत की वजह से ही डीजल इंजनों को खत्म किया जा रहा है। इसके अलावा काफी वक्त पहले कोयले से चलने वाले इंजन भी थे मगर कोयले पर ज्यादा निर्भरता होने के कारण उन्हें भी धीरे-धीरे खत्म कर दिया गया।

नोट से जुड़ी ये खास बातें नहीं जानते होंगे, जानिए क्या है इससे जुड़ा राज

हम सभी हर रोज कुछ खरीदने, किराया देने और कई कार्यों के लिए रुपयों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं यह नोट किसी चीज से बनाए जाते हैं। अधिकतर लोग सोचते हैं कि नोट कागज से बनता है, लेकिन ऐसा नहीं है। नोट को बनाने के लिए कपास का इस्तेमाल किया जाता है। नोट बनाने के लिए कागज का इस्तेमाल इसलिए नहीं किया जाता है, क्योंकि यह लंबे समय तक नहीं चलता है। केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार इसलिए नोट में सौ प्रतिशत कपास का इस्तेमाल होता है ताकि वह लंबे समय तक चल सके। कपास से नोट बनाने के पीछे कई वजहे हैं। कागज जल्दी फट जाता है, लेकिन कपास ज्यादा मजबूत होता है। भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में नोट बनाने के लिए कपास का इस्तेमाल होता है। आईए जानते हैं भारतीय नोटों से जुड़ी रोचक बातें जो अभी तक आप नहीं जानते होंगे। कपास के रेशे में एक फाइबर मिलता है जिसका नाम लेनिन है। नोट बनाने के लिए कपास के अलावा गैटलिन और आधेसिवेस सोलुशन का प्रयोग होता है। इसकी वजह से नोट की उम्र लंबी होती है। भारत में बनने वाले नोटों में ज्यादा से ज्यादा सिक्योरिटी फीचर दिए जाते हैं। ये सिक्योरिटी फीचर नकली या जालसाली नोटों पर लगाम लगाने के लिए होते हैं। भारतीय नोटों में समय समय पर बदलाव होता रहता है। भारत में नोट जारी का करने का अधिकार सिर्फ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास है। अधिनियम की धारा 22 के अनुसार उसे यह अधिकार मिला हुआ है। रिजर्व बैंक सरकार और दूसरे हितधारकों की सलाह पर एक साल में मूल्यवर्ग के मुताबिक, नोटो की मात्रा के बारे में जानकारी ली जाती है। देश की जनता को रिजर्व बैंक अच्छी गुणवत्ता वाले नोट मुहैया कराता है। प्रचलन से लौटे हुए नोटो की जांच की जाती है और जो सही होते हैं उन्हें फिर से जारी किया जाता है। नोटों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कटे फटे नोटों को नष्ट कर दिया जाता है।

प्रदेश का विकास देख निराश हो गए घोर परिवारवादी : मोदी

» कुछ लोगों ने काशी में मेरी मौत की कामना की, आतंकवादियों के वापस लिए जाते थे मुकदमे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र काशी में जिले के बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद कर उन्हें जीत का मंत्र दिया। काशी से अपने लगाव का जिक्र करते हुए विपक्ष पर तीखे प्रहार भी किए। बिना नाम लिए प्रधानमंत्री ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम के भव्य स्वरूप के लोकार्पण के दौरान विपक्ष के कुछ लोग निचले स्तर तक उतर आए थे। उनकी ओर से काशी में मेरी मृत्यु की कामना की गई। यह जिंदा शहर बनारस है और यहां मृत्यु पाना भी सौभाग्य की बात होगी। घोर परिवारवादी इसे नहीं समझ सकते।

उन्होंने कहा कि घोर परिवारवादी लोग प्रदेश के विकास कार्य को देखकर हतोत्साहित हो गए हैं। पार्टी को निजी प्रापर्टी मानने वाले कभी भाजपा कार्यकर्ताओं का मुकाबला नहीं कर सकते। हम चुनाव के साथ जनता का दिल भी जीतते हैं। विरोधियों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतदाताओं से चुनाव में जीत का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि पहले काशी के घाटों पर और मंदिरों में विस्फोट होते थे। सरकार के संरक्षण में आतंकियों पर मुकदमे वापस लिए जा रहे थे लेकिन, बाबा काल भैरव के आगे आतंकवाद, माफिया की एक न चली। बाबा के त्रिशूल के आगे ये टिक न सके। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव में हर व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाऊंगा इसलिए आप सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर मोदी का प्रणाम पहुंचाएं। प्रधानमंत्री ने वाराणसी में जिले के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद करने के साथ ही सातवें चरण के लिए चुनाव-प्रचार अभियान की भी शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि मृत्यु की कामना पर भी मुझे आनंद आया। काशी में मेरी मृत्यु की कामना करने वाले विरोधी भी यह देख रहे हैं कि यहां के लोगों का मुझ पर कितना स्नेह है। अंतिम सांस तक न मेरी काशी मुझे छोड़ेगी और न काशी के लोग। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी जब काशी विश्वनाथ धाम के भव्य स्वरूप का लोकार्पण करने आए थे तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि अंतिम समय के लिए काशी अच्छी जगह है।

भाजपा सांसद संघमित्रा पर सपा के लिए वोट मांगने का आरोप, सियासत गर्म

» फाजिलनगर से सपा प्रत्याशी है संघमित्रा के पिता स्वामी प्रसाद मौर्या

» वीडियो के सत्यता की करायी जा रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। बदायूं से भाजपा सांसद संघ मित्रा द्वारा रविवार की रात फाजिलनगर विधान सभा क्षेत्र में सपा प्रत्याशी पिता स्वामी प्रसाद मौर्या के लिए वोट मांगने के आरोप के बाद राजनीतिक माहौल गरम हो गया। भाजपा के जिला महामंत्री संतोष दत्त राय ने कहा कि इस प्रकरण से शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराया जाएगा और उसके द्वारा ही निर्णय लिया जाएगा। वायरल वीडियो के सत्यता की भी जांच कराई जाएगी।

वायरल वीडियो में एक स्थानीय चैनल का पत्रकार गांव जौरा-मगुलही में सांसद संघ मित्रा के वाहन के समीप खड़ा है और सवाल करता है कि आप प्रचार में आई हैं तो वह कह रही हैं कि मैं प्रचार करने यहां नहीं आई हूं। कुशीनगर से हमारा पुराना नाता है। मैं कहां जा रही हूं, क्यों जा रही हूं, इस पर रोक लगाने का किसी को कोई अधिकार नहीं है। इस दौरान एक व्यक्ति कहता है कि आप गांव में भाजपा के लिए वोट मांग रही थीं, इस पर वे तल्ख लहजे में कहती हैं कि कैमरा ऑन करके कुछ भी कहोगे तो मान लूंगी क्या? मेरी गाड़ी की तलाशी ले लो। प्रचार सामग्री मिले तो बताओ। बताया जा रहा है कि सपा प्रत्याशी और पिता स्वामी प्रसाद मौर्या के पक्ष में वोट मांगने के लिए रात के अंधेरे में भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्या कुशीनगर पहुंची हैं। फाजिलनगर विधान सभा के जौरा-मगुलही गांव में भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्या को रविवार की देर शाम को पिता स्वामी प्रसाद मौर्य के पक्ष में प्रचार करते देखा गया है। हालांकि, भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय मीडिया को देखते ही भाजपा सांसद संघमित्रा गाड़ी में बैठकर आगे बढ़ गईं। जब उनसे पिता के पक्ष में प्रचार करने से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने इससे इनकार किया और कहा कि वह स्वतंत्र रूप से यहां घूम रही हैं। दूसरी ओर दो मिनट 27 मिनट के इस वीडियो के वायरल होते ही भाजपा ने शीर्ष नेतृत्व से शिकायत कर कार्रवाई की मांग करने की बात कही। इस आरोप के बाद सपा प्रत्याशी के सांसद पुत्री के क्षेत्र में होने को लेकर तरह-तरह की सियासी चर्चाओं का बाजार भी गरम हो गया है। भाजपा सांसद संघमित्रा के पिता स्वामी प्रसाद मौर्या के फाजिलनगर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हैं। स्वामी प्रसाद के भाजपा से समाजवादी पार्टी में आने के बाद पडरौना की राजनीति गरमा गई थी। स्वामी प्रसाद मौर्या भाजपा से सपा में आए और यहां की राजनीति में प्रभाव रखने वाले आरपीएन सिंह कांग्रेस से भाजपा में जाने के बाद पडरौना की राजनीति में भूचाल आ गया था। पूरे जिले का राजनीतिक समीकरण उलट गया है।

कन्नौज : डंपर में घुसी बस, कई सवारियां घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर सलेमपुर गांव के सामने तेज रफ्तार बस डंपर में जा घुसी। हादसे में बस ड्राइवर समेत करीब 15 सवारियां घायल हुई हैं। हादसा बस ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हुआ है। घायलों को अस्पताल भिजवाया गया है। बस दिल्ली से लखनऊ जा रही थी।

हादसा रविवार देर रात हुआ। बस हादसे की सूचना पर पहुंचे यूपीडा कर्मी व पुलिस ने कड़ी मशक्कत से ड्राइवर को बाहर निकाल कर मिनी पीजीआई सैफई भेज दिया। अन्य घायलों को मेडिकल कॉलेज तिर्वा भेजा गया। ड्राइवर का नाम पता नहीं चल सका। हादसे के समय सवारियां सो रही थीं। बस में चीख-पुकार मच गई। अन्य सवारियों को दूसरे वाहन से भेजने की व्यवस्था की जा रही है। ड्राइवर की हालत चिंताजनक है।

सपा ने चुनाव आयोग से की प्रतापगढ़ में बूथ कैप्चरिंग की शिकायत

» समर्थकों को धमकाने का भी लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने पांचवें चरण के चुनाव में प्रतापगढ़ के विभिन्न बूथों पर कैप्चरिंग का आरोप लगाया है। इस संबंध में चुनाव आयुक्त को पत्र भेजा है। जनसत्ता दल के प्रत्याशी व कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने रविवार को आयोग को भेजी शिकायत में आरोप लगाया कि प्रतापगढ़ में विधान सभा चुनावों में हिंसा, बूथ कैप्चरिंग और प्रशासनिक अत्यवस्था रही। उन्होंने इसे निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव के लिए चुनौती बताते हुए लोकतंत्र की हत्या करार दिया। समाजवादी पार्टी के पक्ष में मत देने से रोका गया। तमाम मतदाताओं को बूथ पर नहीं जाने दिया गया। सपा समर्थकों को दबंगों द्वारा डराया धमकाया गया और प्रशासन मूक दर्शक बना रहा।

सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि जब गरीबों को वोट नहीं डालने दिया जाएगा तो स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान कैसे संभव हो सकेगा। भेजे गए पत्र में बताया गया है कि कुंडा के बूथ संख्या 367, 368, 156,157, 158, और 273 पर जनसत्ता दल के लोग बूथ कैप्चरिंग करते रहे। उनकी दहशत पूरी विधान सभा क्षेत्र में है। सपा प्रत्याशी गुलशन यादव पर हमला किया गया है। उनकी गाड़ी भी तोड़ दी गई है यह लोकतंत्र पर हमला है। कुंडा के जहानाबाद, समसपुर, शाजा, हथिगवां, खिदिरपुर, डीहा, नौबस्ता, परसीपुर, भदशिव परानुपुर, नरसिंहपुर, पहाड़पुर, जमेठी, बेंती, बनेमऊ,. शाहवपुर, बछरौली, मलाका रजापुर, साहिबापुर समेत कई ग्राम सभाओं में जनसत्ता दल के प्रधानों व दबंगों द्वारा बूथ कैप्चरिंग की गई। प्रशासन कोई कार्यवाही नहीं किया और मूकदर्शक बना रहा।

झूठ बोलकर जनता को ठग रही बीजेपी : नसीमुद्दीन

» सपा और बसपा पर भी कांग्रेस नेता ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने सपा, बसपा व भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुझसे ज्यादा बसपा प्रमुख मायावती के विषय में कोई नहीं जानता। मायावती केवल रुपयों की भूखी हैं। उन्हें न ही देश और न जनता से कोई मतलब है। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस पार्टी के मुखिया समेत अन्य बड़े व छोटे नेता झूठ बोलते हैं। भाजपा जुमलेबाजों की पार्टी है। इसके नेता झूठ बोलकर जनता को ठग रहे हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा का एक विधायक महिला की हत्या करा रहा है और दूसरा मंत्री पुत्र किसानों को गाड़ियों से रौंद रहा है। दोनों पीड़ित परिवारों को कांग्रेस ने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है, जिसने हर वर्ग और क्षेत्र में विकास करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने बुनकरों का भरोसा तोड़ दिया। चुनाव के दौरान सपा ने वादा किया था कि सरकार बनने के बाद प्रदेश में बुनकरों का मीटर तोड़कर नदियों में फेंक दिया जाएगा। सपा की सरकार बनने के बाद बुनकरों के पावरलूमों से मीटर तो नहीं फेंके गए, उल्टे बुनकरों को नदी में कूदने की नौबत आ गई।

विरोधियों के उड़े होश, फैला रहे अफवाह : मायावती

दलितों के वोट के लिए नाटकबाजी करती है कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार बनाने का दावा किया है। उन्होंने सर्वजन हिताय का नारा देते हुए बसपा के पक्ष में वोटिंग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टियों की नींद और होश उड़े हुए हैं। अब वे तरह-तरह की अफवाहों के जरिए वोटरों को गुमराह करने में लग गए हैं। इनके बहकावे में आए बिना बसपा सरकार बनाने की धुन में लगे रहना है। वास्तव में आने वाला कल अपनी पार्टी का है।

उन्होंने कहा कि गरीबों, मजदूरों, युवाओं, बेरोजगारों, छोटे व्यापारियों, महिलाओं समेत अन्य को पता है कि उनके परेशानियों को बसपा की आयरन सरकार ही दूर कर सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सभी पोलिंग बूथ जीतकर बसपा को सत्ता में लाना है और योगी को मठ में भेजने का काम करना है। मायावती ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। कांग्रेस को दलित विरोधी बताते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार ने भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित तक नहीं किया। कांशीराम के देहांत पर उनके सम्मान में भी कांग्रेस ने एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलित और शोषितों के वोट के लिए तमाम तरह की नाटकबाजी करती रहती है। वहीं, भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि मुस्लिम समाज भाजपा सरकार में सबसे अधिक दुखी और दहशत में रहा है। मुस्लिम हमेशा खुद को असुरक्षित महसूस करता रहा है। इस सरकार में प्रबुद्ध वर्ग और ब्राह्मण समाज की भी उपेक्षा होती रही है। मुसलमानों के विकास व उत्थान पर तो बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया है बल्कि द्वेष की भावना के तहत उनको अधिकतर फर्जी मामलों में फंसाकर उजाड़ने एवं बर्बाद करने का ही प्रयास किया है।

सर्व समाज के हितों का ध्यान रखती है बसपा : सतीश चंद्र

बस्ती। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य सतीश चंद्र मिश्र ने कहा कि प्रदेश में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनने जा रही है। बसपा सर्व समाज के हित की ध्यान रखती है। अब बुलडोजर की धमकी नहीं चलने वाली है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण बसपा के साथ है। सपा भाजपा के साथ मिली हुई है। वह अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को डराकर वोट हथियाना चाहती है। सपा सरकार में 134 दंगे हुए थे। महिलाओं की सुरक्षा की बात करने वाली भाजपा के राज में स्थिति नहीं सुधरी है। किसानों की आय दोगुना करने की बात झूठी है। किसानों की मौत के बाद कृषि कानून वापस लिए गए। पांच साल में सिर्फ 25 रुपये गन्ने का मूल्य बढ़ाया जबकि हमारी सरकार ने 135 से 250 रुपये क्विंटल गन्ना मूल्य किया था। बसपा शासन में 23 नए जिले बनाए गए। 23.5 लाख लोगों को नौकरियां दी गई थीं। सरकार ने विज्ञापन पर 20 करोड़ रुपये खर्च कर डाले। सरकारी कर्मियों की पुरानी पेंशन भी बहाल की जाएगी।

विदेशी छात्रों की वापसी का सरकार सकुशल इंतजाम करें : प्रियंका गांधी

» लखनऊ की छात्रा का वीडियो ट्वीट कर लगाई मदद की गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रूस और यूक्रेन के बीच कई दिनों से चल रहे युद्ध के बीच कांग्रेस की महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय छात्रों को यूक्रेन से निकालने के लिए सरकार से अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार इनकी सकुशल वापसी करवाने का प्रयास करे। इस बीच यूक्रेन में रह रहे भारतीय छात्रों में डर का माहौल बना हुआ है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूक्रेन में फंसी लखनऊ की एक छात्रा का वीडियो ट्वीट कर सरकार से मदद के लिए गुहार लगाई है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अपील करते हुए कहा कि यूक्रेन से आ रहे भारतीय छात्र-छात्राओं के वीडियो मन को बहुत ही ज्यादा व्यथित करने वाले हैं। इन बच्चों को भारत वापस लाने के लिए जो कुछ भी बन पड़ता है, भगवान के लिए, वह करिए। उन्होंने कहा कि पूरा देश इन छात्र-छात्राओं और इनके परिवारों के साथ है। आपसे आग्रह है कि कैसे भी, सरकार इनकी सकुशल वापसी करवाने का प्रयास करे। बता दें कि यूक्रेन में फंसी उत्तर प्रदेश के लखनऊ की छात्रा गरिमा मिश्रा का यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गरिमा मिश्रा ने वीडियो जारी कर भारत सरकार से मदद मांगी है। वीडियो रिकार्ड करते वक्त उन्होंने बताया कि वह कीव में फंसी हुई हैं। यहा भी कह रही हैं कि भारतीय दूतावास की तरफ से मदद नहीं मिल रही है। वह कह रही हैं कि बात करने के लिए काफी प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कोई सुन नहीं रहा है।

धर्म-जाति की नहीं, विकास की राजनीति करती है कांग्रेस

इससे पहले प्रियंका गांधी ने यूपी चुनाव को लेकर कहा धर्म, जाति की राजनीति नहीं कांग्रेस विकास की राजनीति करती है। बेरोगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने कुछ काम नहीं किया। यूपी का किसान बदहाल है। छुट्टा पशु फसलों को बर्बाद कर दे रहे हैं, लेकिन सरकार के पास इसका कोई समाधान नहीं है। कांग्रेस की सरकार बनी, तो छुट्टा पशुओं की देखभाल करने वाले को प्रोत्साहन राशि मिलेगी। भाजपा सरकार ने रोजगार मिलने वाली संस्थाओं को बेच डाला गया। प्रियंका गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं पर सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहा है। घोषणा पत्र में किए सारे वादे को कांग्रेस पूरा करेगी। समाज के हर वर्ग के हित के लिए कांग्रेस काम करेगी। नौजवानों के लिए रोजगार की व्यवस्था की जाएगी।

चुनावी राज्यों में हजार करोड़ से ज्यादा की नकदी जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की सख्ती से विधानसभा चुनाव वाले पांच राज्यों में एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी, ड्रग, शराब और अन्य वस्तुओं की बरामदगी हुई है। साल 2017 के चुनावों की तुलना में इस बार अब तक के हुए चुनाव के चरणों में नकदी की बरामदगी तीन गुना से ज्यादा है। चुनाव आयोग के मुताबिक पंजाब, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड और गोवा में इस बार 1,018 करोड़ रुपये की कुल जब्ती हुई है।

2017 में 299.84 करोड़ रुपये की जब्ती हुई थी। आयोग ने बताया कि धनबल से चुनावों को प्रभावित करने वालों पर सख्त निगरानी की जा रही है। इसके लिए चौतरफा रणनीति पर काम किया गया है। इसमें अनुभवी अधिकारियों की नियुक्ति के साथ-साथ प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल को बढ़ावा देने जैसे कदम शामिल हैं। आयोग ने बताया कि इस तरह के प्रयासों पर रोक के लिए 228 एक्पेंडिचर आब्जर्वर तैनात किए गए हैं, जो खर्चों पर नजर रख रहे हैं। इनके अलावा बेहतर निगरानी के लिए इस मामले में विशेषज्ञता रखने वाले स्पेशल एक्पेंडिचर आब्जर्वर भी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। विधानसभा चुनाव सात चरणों में हो रहे हैं।

नियमितीकरण के लिए सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को फटकारा

» शीर्ष अदालत ने प्रदेश सरकार पर लगाया 25 हजार का जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 30 वर्ष से काम कर रही सफाई कर्मी को नियमित करने के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार पर नाराजगी जताते हुए 25 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी फालतू याचिका दाखिल करने पर प्रदेश सरकार पर जुर्माना लगाया जाता है।

अदालत ने प्रदेश सरकार को चार सप्ताह में जुर्माने की रकम सफाई कर्मी को देने का निर्देश दिया। साथ ही दो महीने के भीतर सफाई कर्मचारी को नियमित करने के आदेश पर अमल करने को कहा। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और अभय एस ओका की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका खारिज करते हुए दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा रिकार्ड देखने से पता चलता है कि इस बात में कोई विवाद नहीं है कि अनीता देवी 15 मई, 1991 से सफाई कर्मी के तौर पर काम कर रही है। हाई कोर्ट ने रूल 2016 के तहत उसे नियमित किए जाने पर विचार करने का आदेश दिया है। पहले हाई कोर्ट की एकलपीठ ने उसे नियमित करने का आदेश दिया। फिर खंडपीठ ने भी उस पर मुहर लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों अदालतों ने माना है कि अनीता देवी ने रूल 2016 के तहत नियमित होने का अपना केस साबित किया है। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश एडिशनल एडवोकेट जनरल सिद्धार्थ धर्माधिकारी की दलीलें सुनने के बाद कहा कि उन्हें मामले में दखल देने का कोई कारण नजर नहीं आता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी फालतू याचिका दाखिल करने पर प्रदेश सरकार पर 25 हजार रुपये जुर्माना लगाया जाता है।

लखनऊ के पीजीआई इलाके में पत्नी संग जा रहे आटो चालक की पिटाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीजीआई इलाके में देर रात महिला सशक्तिकरण की जमकर धज्जियां उड़ीं। बीच सड़क शराब पी रहे कार सवारों साइट मांगना आटो चालक को मंहगा पड़ गया। कार सवारों ने उसे दौड़ाकर जमकर पीटा और पत्नी से अभद्रता की। इतना ही नहीं बच्चे को भी पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को दबोच लिया।

पुलिस दोनों पक्षों को थाने लेकर पहुंची है। पीजीआई इलाके में रहने वाले आटो चालक ने बताया कि वह पत्नी और बेटे को लेकर जा रहा था। इस बीच वृंदावन सेक्टर आठ के पास कार सवार तीन युवक सड़क पर शराब पी रहे थे। उनसे साइट मांगी तो गाली-गलौज करने लगे। किनारे से निकलकर किसी तरह आगे बढ़ा तो तीनों कार में बैठे और पीछा करने लगे। कार लहराते पीछा कर छींटाकशी कर रहे थे। सेक्टर छह के पास ओवरटेक कर आटो के आगे कार लगा दी और हमला बोल दिया। तीनों ने पत्नी और बेटे को भी पीटा। पत्नी से अभद्रता की।

विवादित बयान देने पर चुनाव प्रचार पर रोक, राघवेंद्र की मुश्किलें बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिद्धार्थनगर। विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान डुमरियागंज सीट से चुनाव लड़ रहे प्रदेश के हियुवा प्रभारी व भाजपा प्रत्याशी राघवेंद्र प्रताप सिंह को बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग ने विवादित बयान के कारण 24 घंटे तक प्रचार करने पर रोक लगा दिया है। आज सुबह 6 बजे से मंगलवार की 6 बजे तक यह प्रचार नहीं कर पाएंगे। इंटरनेट पर वायरल वीडियो में वह पेड़ारी गांव में आयोजित कार्यक्रम में वह कह रहे थे कि जो हिंदू मुझे वोट नहीं देंगे, उनकी रगों में मुस्लिम खून है। मुझे अपमानित करोंगे तो भी मैं अपमान सह लूंगा, लेकिन हमारे हिंदू समाज को अपमानित करने का प्रयास करोंगे तो बर्बाद करके रख दूंगा। निर्वाचन आयोग की तरफ से सचिव आलोक कुमार ने राघवेंद्र को कारण बताओ नोटिस भी दी है। आयोग ने माना है कि विशेष वर्ग के लिए अपशब्द व अमर्यादित भाषा का इन्होंने प्रयोग किया है। इससे चुनाव व कानून व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बन गई।

पूर्वांचल में सपा-भाजपा में कांटे की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के पांचवें चरण के मतदान के पूरा होने के साथ ही राजनीतिक दलों की नजर अब पूर्वांचल की उन 111 सीटों पर जा टिकी है, जहां छठवें और सातवें चरण में मतदान होना है। इन सीटों पर विजय पताका फहराने के लिए सभी पार्टियों के दिग्गज नेताओं ने मोर्चा संभाल लिया है। कल अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज महराजगंज और बलिया में जनसभा में विपक्ष पर निशाना साधेंगे तो अलग-अलग क्षेत्रों को मथने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य वरिष्ठ नेता मैदान में होंगे।

इसी तरह बसपा मुखिया मायावती आजमगढ़ में आज भाजपा व सपा को घेरेंगी तो कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का रोड शो बलिया, फेफना, कुशीनगर और देवरिया में होगा। पूर्वांचल में छठवें और सातवें चरण में होने जा रहे चुनाव से तमाम दिग्गजों की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। इधर, पश्चिम में खास तौर भाजपा और सपा के बीच चले संघर्ष के बाद जातीय समीकरणों के लिहाज से जटिल समझे जाने वाले पूर्वांचल में रोचक मुकाबला होना है। 2017 में भाजपा ने यहां प्रतिद्वंद्वियों को करारी पटखनी दी थी। उसी परिणाम को दोहराने के लिए भाजपा ने राष्ट्रीय नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं की फौज एक-एक सीट पर उतार दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र काशी में पहुंच चुके हैं। यहां कार्यकर्ताओं से संवाद कर एक-एक बूथ पर विजय का उत्साह भरा है। इधर, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डा. दिनेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह समेत कई केंद्रीय मंत्री लगातार यूपी को मथने में जुटे रहे। अब सभी के कार्यक्रम इन 111 सीटों पर लगे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।